# Testwale Current Affairs PDF

Current Affairs search results for tag: national-news

## 1. [illegible] ( Aug. 5, 2022 )

[illegible] '[illegible] (MSP)' [illegible] 11 [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible] US - [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

## [illegible] (MSP) [illegible]?

- [illegible]
- [illegible] - [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 17 "[illegible]"

[illegible]

- 17 [illegible] (39) [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

यूरोपियम जिन्हें एचआरईई के रूप में वर्गीकृत किया गया है, भारत में उपलब्ध नहीं हैं।

- इसलिए, HREE के लिए चीन जैसे देशों पर निर्भरता है।

**इन खनिजों का महत्व**

- इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाली बैटरियों के लिए कोबाल्ट, निकेल और लिथियम जैसे खनिजों की आवश्यकता होती है।

- मोबाइल फोन, कंप्यूटर हार्ड ड्राइव, इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहन, सेमीकंडक्टर आदि 200 से अधिक उपभोक्ता उत्पादों के लिए आरईई एक आवश्यक अवयव है।

## 2. आईसीएमआर ने पूर्वोत्तर में शुरू की नई पहल ( Aug. 5, 2022 )

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने 4 अगस्त को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में फोडबोर्न पैथोजन सर्वे नेटवर्क (आईसीएमआर-फूडनेट) का उद्घाटन किया।

**महत्वपूर्ण तथ्य**

- यह नवीनतम पहल 2020 में आईसीएमआर द्वारा शुरू की गई परियोजना का हिस्सा है।

- एकीकृत कार्य बल परियोजना विभिन्न अभियानों का समन्वय करता है, खाद्य जनित आंत्र रोग के प्रकोप की निगरानी करता है, और अनुसंधान और चिकित्सा संस्थानों और खाद्य क्षेत्रों के सहयोग से चार उत्तर-पूर्वी भारतीय राज्यों में गहन व्यवस्थित प्रयोगशाला-आधारित निगरानी करता है।

- इस परियोजना के अंतर्गत बीमारी के बोझ का आकलन, प्रकोप के लिए जिम्मेदार विशिष्ट रोगजनकों का पता लगाना, आंतों के बैक्टीरिया के बीच रोगाणुरोधी प्रतिरोध पैटर्न का दस्तावेजीकरण भी शामिल है।

**फूडबोर्न पैथोजन सर्वे नेटवर्क (आईसीएमआर-फूडनेट)**

- फूडनेट आमतौर पर भोजन के माध्यम से प्रसारित जीवाणु रोगजनकों के लिए प्रयोगशाला-निदान संक्रमण की घटनाओं को निर्धारित करता है।

- यह खाद्य सुरक्षा नीति और रोकथाम के प्रयासों के लिए एक आधार प्रदान करता है।

- यह खाद्य जनित बीमारियों की संख्या का अनुमान लगाता है, समय के साथ विशिष्ट खाद्य जनित बीमारियों की घटनाओं पर नजर रखता है और जानकारी का प्रसार करता है।

**पूर्वोत्तर भारत**

- पूर्वोत्तर भारत में सात राज्य शामिल हैं: अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा।

- पूर्वोत्तर की सीमा भूटान, चीन, म्यांमार और बांग्लादेश के मिलती है जिसकी कुल लम्बाई 2000 किमी से अधिक है और यह भूमि के एक संकीर्ण 20 किमी चौड़े गलियारे से शेष भारत से जुड़ा है।

- पूर्वोत्तर भारत को "सात बहनों" के नाम से भी जाना जाता है।

## 3. न्यूजीलैंड ने तंबाकू एंडगेम पर विधेयक पेश किया ( Aug. 4, 2022 )

न्यूजीलैंड की संसद ने हाल ही में एक वर्ष 2025 तक धूम्रपान मुक्त होने की अपनी योजना को पूरा करने के लिए धूम्रपान मुक्त पर्यावरण और विनियमित उत्पाद (स्मोक्ड टोबैको) संशोधन विधेयक पेश किया।

**तंबाकू एंडगेम पर न्यूज़ीलैंड का विधेयक**

- ‘टोबैको एंडगेम’ एक नीतिगत दृष्टिकोण को संदर्भित करता है जो 'तंबाकू मुक्त भविष्य' के उद्देश्य से तंबाकू से होने वाली बीमारी को समाप्त करने पर केंद्रित है।

- विधेयक में धूम्रपान को महत्त्वपूर्ण रूप से कम करने या इसे समाप्त करने के लिये तीन रणनीतियों की मांग की गई है।

- यदि विधेयक को लागू किया जाता है तो यह दुनिया का पहला कानून होगा जो अगली पीढ़ी को कानूनी रूप से सिगरेट खरीदने से रोकेगा।

**प्रस्तावित रणनीतियाँ**

- तंबाकू में निकोटीन (जिसे "डिनिकोटिनाइज़ेशन" या "बहुत कम निकोटीन सिगरेट- VLNC” के रूप में जाना जाता है) की मात्रा को काफी कम कर देना ताकि नशे की लत न हो।

- तंबाकू बेचने वाली दुकानों की संख्या में 90% से 95% की कमी।

- 1 जनवरी, 2009 को या उसके बाद पैदा हुए लोगों को तंबाकू बेचना अवैध (इस प्रकार "धूम्रपान मुक्त पीढ़ी") बनाना।

**तंबाकू सेवन की वर्तमान स्थिति**

**वैश्विक**

- दुनिया भर में हर चार में से एक व्यक्ति तंबाकू का सेवन करता है

- सिगरेट धूम्रपान दुनिया भर में तंबाकू के उपयोग का सबसे आम रूप है।

- अन्य तंबाकू उत्पादों में वाटरपाइप तंबाकू, विभिन्न धुआँ रहित तंबाकू उत्पाद, सिगार, सिगारिलोस, रोल-योर-ओन तंबाकू, पाइप तंबाकू, बीड़ी और क्रेटेक्स शामिल हैं।

- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू महामारी दुनिया के अब तक के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों में से एक है, जिसके कारण प्रति वर्ष 80 लाख से अधिक लोग मारे जाते है I

**[illegible]**

- [illegible]-5 ([illegible] 2019-21) [illegible], 15 [illegible] 38% [illegible] 9% [illegible]
- [illegible] (19%) [illegible] (51%) [illegible]
- [illegible]–[illegible], [illegible] ([illegible] 43 [illegible] 11 [illegible]) [illegible]
- [illegible] 1.35 [illegible]
- [illegible]

## 4. [illegible] ( Aug. 4, 2022 )

31 [illegible], 2022 [illegible], [illegible] ([illegible]) [illegible] ([illegible]) [illegible]

**[illegible]**

- [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible]
- [illegible] 2016 [illegible], [illegible]
- [illegible] 600 [illegible]
- [illegible] 2017 [illegible]

**[illegible]**

- [illegible]
- [illegible] 72 [illegible]
- [illegible]–[illegible] 5 [illegible] I

- यूरेशिया को हिंद महासागर क्षेत्र से जोड़ने के प्रयास में, यह भारत के इंडो-पैसिफिक विजन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

- यह भारत को जोड़ने वाले इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर नेटवर्क का एक हिस्सा है।

- ईरान ने चाबहार बंदरगाह के माध्यम से भारत और ईरान के बीच व्यापार सहयोग गतिविधियों को बढ़ाने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया है |

**भारत के लिए चाबहार बंदरगाह का महत्व**

- **वैकल्पिक मार्ग** - चाबहार बंदरगाह भारत को वैकल्पिक आपूर्ति मार्ग का विकल्प प्रदान करता है इस प्रकार यह व्यापार के संबंध में पाकिस्तान के महत्त्व को कम करता है|

- **कनेक्टिविटी** -भविष्य में चाबहार परियोजना और उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा रूस तथा यूरेशिया के साथ भारतीय संपर्क का अनुकूलन कर एक दूसरे के पूरक होंगे|

- **सामरिक आवश्यकताएं** - वन बेल्ट वन रोड परियोजना के तहत चीन आक्रामक रुच से अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को आगे बढ़ा रहा है|

- अफगानिस्तान और मध्य एशियाई देशों से संपर्क बढ़ाने के लिए चाबहार बंदरगाह भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

## 5. 10 और भारतीय आर्द्रभूमि स्थलों को मिला रामसर टैग, संख्या बढ़कर 64 ( Aug. 4, 2022 )

भारत ने अंतरराष्ट्रीय महत्व के 10 और रामसर स्थलों या आर्द्रभूमियों को मान्यता दी है, जिससे स्थलों की संख्या अब 64 हो गई है।

**महत्वपूर्ण तथ्य**

- देश में रामसर स्थलों का क्षेत्रफल अब 12,50,361 हेक्टेयर हो गया है।

- 10 नई साइटों में शामिल हैं - तमिलनाडु में छह साइट और गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और ओडिशा में प्रत्येक में एक।

- इन स्थलों को नामित करने से आर्द्रभूमियों के संरक्षण और प्रबंधन और उनके संसाधनों के बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग में मदद मिलेगी।

**रामसर स्थलों के रूप में नामित 10 आर्द्रभूमि**

1. कूनथनकुलम पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)
2. सतकोसिया गॉर्ज (ओडिशा)
3. नंदा झील (गोवा)
4. मन्नार की खाड़ी समुद्री बायोस्फीयर रिजर्व (तमिलनाडु)
5. रंगनाथिटू बीएस (कर्नाटक)

6. वेम्बन्नूर वेटलैंड कॉम्प्लेक्स (तमिलनाडु)
7. वेलोड पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)
8. सिरपुर आर्द्रभूमि (मध्य प्रदेश)
9. वेदान्थंगल पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)
10. उदयमार्थंदपुरम पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)

**कृपया 26 जुलाई की पोस्ट भी देखें**

## 6. अमेरिकी सीनेट ने फिनलैंड और स्वीडन के नाटो में शामिल होने को मंजूरी दी ( Aug. 4, 2022 )

संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट ने 3 अगस्त को फिनलैंड और स्वीडन के नाटो में प्रवेश को मंजूरी दे दी।

**महत्वपूर्ण तथ्य**

- अमेरिकी सीनेट ने एक के मुकाबले 95 मतों से दोनों पश्चिमी यूरोपीय देशों के नाटो में शामिल होने का समर्थन किया।
- यह ऐतिहासिक वोट नाटो के प्रति निरंतर, द्विदलीय अमेरिकी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण संकेत देता है।
- नॉर्डिक देशों, जिन्होंने लंबे समय तक तटस्थता बनाए रखी थी, ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के प्रकाश में 30-सदस्यीय गठबंधन में शामिल होने के लिए एकजुट हुई थी।
- इससे पहले फ्रांस की नेशनल असेंबली ने फिनलैंड और स्वीडन की नाटो सदस्यता के पक्ष में मतदान किया था।
- जर्मनी, कनाडा और इटली सहित कई देशों ने पहले ही अनुसमर्थन को मंजूरी दे दी है।

**नाटो सदस्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया**

- सबसे पहले एक देश को औपचारिक रूप से नाटो सदस्यता के लिए आवेदन करना चाहिए।
- शामिल होने वाले देश को नाटो के 1995 “विस्तार पर अध्ययन” में निर्धारित मानदंडों को पूरा करना चाहिए। उन मानदंडों में बाजार अर्थव्यवस्था पर आधारित एक कार्यशील लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था, नाटो में सैन्य योगदान करने की क्षमता आदि शामिल हैं।
- कोई देश नाटो में तभी शामिल हो सकता है जब उसके सभी 30 सदस्य देश उसकी सदस्यता का समर्थन करें।
- परिग्रहण प्रोटोकॉल (accession protocols) की पुष्टि के बाद कोई देश नाटो का सदस्य बन सकता है , जिसमें 8 से 12 महीने लग सकता हैं ।

- [illegible] |

**[illegible] ([illegible]) [illegible]**

- [illegible] (28 [illegible], [illegible]) [illegible] 30 [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 5 [illegible], [illegible]
- [illegible] 9/11 [illegible] 5 [illegible]
- [illegible] 2020 [illegible]
- [illegible]- [illegible],

## 7. 48 [illegible] 2022 ( Aug. 4, 2022 )

[illegible] 12 [illegible] 15 [illegible] 2022 [illegible]

**[illegible]**

- [illegible] 40 [illegible]
- [illegible] 1974 [illegible]
- 48 [illegible]
- [illegible] "[illegible]" [illegible]
- [illegible] ([illegible]) [illegible]

**[illegible]**

- [illegible] 1500 [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

**[illegible]**

- [illegible]
- [illegible] 5 [illegible] 8 [illegible]
- [illegible] 23 [illegible]

**[illegible]**

- [illegible] 2025 [illegible] 2014 [illegible]
- [illegible] 2019 [illegible] 100% [illegible]
- [illegible]

## 8. [illegible] ( Aug. 4, 2022 )

[illegible] 15 [illegible]

**[illegible]**

- भारत आतंकवाद विरोधी समिति (सीटीसी) की बैठक की अध्यक्षता यूएनएससी के सदस्य के रूप में कर रहा है।
- यह बैठक विशेष रूप से आतंकवाद के वित्तपोषण, साइबर खतरों और ड्रोन के उपयोग जैसी चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करेगी।
- भारत UNSC (2021-22) के निर्वाचित सदस्य के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने से दो महीने पहले होने वाली इस बैठक में भारत पाकिस्तान और अफगानिस्तान से सीमा पार खतरों को उजागर करने का प्रयास करेगा।
- इसके अलावा, भारत संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों पर अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर एक व्यापक सम्मेलन (पहली बार 1996 में प्रस्तावित) को अपनाने के लिए जोर दे रहा है, जिसे बैठक के दौरान उठाए जाने की संभावना है।

**यूएनएससी की आतंकवाद विरोधी समिति**

- यह सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1373 द्वारा स्थापित किया गया था, जिसे अमेरिका में 9/11 के आतंकी हमलों के मद्देनजर 28 सितंबर 2001 को सर्वसम्मति से अपनाया गया था।
- इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के सभी स्थायी और गैर-स्थायी सदस्य शामिल हैं।
- समिति को संकल्प 1373 के कार्यान्वयन की निगरानी करने का काम सौंपा गया था, जिसमें देशों से घरेलू और दुनिया भर में आतंकवादी गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए अपनी कानूनी और संस्थागत क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से कई उपायों को लागू करने का अनुरोध किया गया था।

**यूएनएससी के बारे में**

- इसकी स्थापना वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा की गई थी।
- यह संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है।
- संयुक्त राष्ट्र के अन्य 5 अंग हैं- संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA), ट्रस्टीशिप परिषद, आर्थिक और सामाजिक परिषद, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय एवं सचिवालय।
- इसके पांच स्थायी सदस्य हैं- चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका, जिन्हें सामूहिक रूप से P5 के रूप में जाना जाता है।
- उनमें से कोई भी एक संकल्प को वीटो कर सकता है।
- मुख्यालय - न्यूयॉर्क

## 9. [illegible] ( Aug. 4, 2022 )

[illegible] 3 [illegible] 2022-23 ([illegible]) [illegible] 305 [illegible]

**[illegible]**

- [illegible] 305 [illegible]
- [illegible] 2022-23 [illegible] 2021-22 [illegible] 2.6 [illegible]
- 305 [illegible] 10.25 [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

**[illegible] (FRP) [illegible]?**

- [illegible]
- [illegible] 1966 [illegible]
- [illegible] 14 [illegible]

**[illegible]**

- [illegible] 80 [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- 2010-11 [illegible]

## 10. [illegible] ( Aug. 3, 2022 )

[illegible] 3 [illegible]

[illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

## COP-26 [illegible]

- [illegible]

1. 2030 [illegible] 500 [illegible]
2. 2030 [illegible] 50 [illegible]
3. [illegible] 2030 [illegible]
4. 2005 [illegible] 2030 [illegible] 45 [illegible]
5. 2070 [illegible]

[illegible]

- [illegible] 1992 [illegible]
- [illegible] 21 [illegible], 1994 [illegible] 197 [illegible]
- [illegible]

- [illegible]